राष्ट्रीय सैनिक संस्था के 16वें राष्ट्रीय अधिवेशन में मुख्य अतिथि माननीय राज्यपाल महोदय का संबोधन

(19 फरवरी 2023)

जय हिन्द!

राष्ट्रीय सैनिक संस्था के इस 16वें राष्ट्रीय अधिवेशन में उपस्थित प्रख्यात आध्यात्मिक विचारक **श्री पवन सिन्हा गुरु जी,** पुज्य संत **आचार्य श्री लोकेश जी**, गौरव सेनानी, देश भक्त नागरिक गण!

मुझे अत्यन्त प्रसन्नता है कि राष्ट्रीय सैनिक संस्था का यह 16वां राष्ट्रीय अधिवेशन उत्तराखण्ड की इस पवित्र भूमि पर आयोजित किया जा रहा है।

'संतों की भूमि' और **'सैनिकों की भूमि'** में आयोजित किया जा रहा है।

यह बहुत ही पवित्र संयोग है कि **'राष्ट्रीय सैनिक संस्था'** में भी संतों और सैनिकों का अनोखा संगम है, महान विचारक **गुरू पवन सिन्हा जी**, विश्व शांति के अग्रदूत **आचार्य लोकेश जी** के साथ – साथ **श्री राजन छिब्बर जी,** लेफ्टिनेंट जनरल **अश्वनी कुमार बक्शी,** लेफ्टिनेंट जनरल **शक्ति गुंरुग,** मेजर जनरल **ओ. पी. सोनी,** मेजर जनरल **एम. एल. असवाल** जैसी विभूतियां यहां उपस्थित हैं।

हमारे बीच **श्री रमेश अग्रवाल जी, श्री नरेंद्र राम नंबूला जी, मेजर सुशील गोयल जी, वेटरन राजेन्द्र बगासी जी, कर्नल तेजेंद्र पाल त्यागी जी** जैसे महानुभावों की उपस्थिति हमारी एकता और समन्वय की शक्ति को बताती है।

महान विचारक, दार्शनिक, वैज्ञानिक, समाज सुधारक, **संत, सैनिक और शहीद देश की महान पूंजी होते हैं।**

इसी सामूहिक शक्ति के बल पर ही हमारा देश **'विश्वगुरु'** कहलाता था।

'राष्ट्रीय सैनिक संस्था' इसी राह पर चलते हुए **'राष्ट्र प्रथम'** के महान विचार के साथ कार्य कर रही है। हमें अपनी सामूहिक एकता और शक्ति के बल पर **'विश्वगुरू भारत'** का सपना फिर से साकार करना है।

हमारे वीर योद्धा, पूर्व सैनिक, गौरव सैनानी, आध्यात्मिक नेता और नागरिक समाज बड़ी संख्या में **राष्ट्रीय सैनिक संस्था** के साथ जुड़ रहे हैं।

90 हजार से अधिक सदस्यों के साथ हमारी यह **संस्था** एक **विशाल परिवार** का रूप लेकर देश सेवा के महान संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है।

आज **परिवार के सदस्यों के** साथ इस **16वें राष्ट्रीय अधिवेशन** मे गौरव सेनानियों और देश भक्त नागरिकों के इस विशाल संगठन को देखकर **अत्यन्त गर्व हो** रहा है।

इस अधिवेशन में एक विचार दिया गया है, जिसमें कहा गया है कि **'नगर पालिका से लेकर संसद तक पूर्व सैनिकों को मनोनीत किया जाए'** यह बहुत अच्छा विषय है, मैं संस्था के इस विचार के साथ यह अपेक्षा रखता हूँ कि समाज के सभी क्षेत्रों में एक नयी प्रगति लाने के लिए बड़ी संख्या में पूर्व सैनिकों को शामिल किया जाना चाहिए।

सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक और शैक्षिक क्षेत्रों में पूर्व सैनिकों को प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए।

सैनिक जब अपनी ड्यूटी पूरी करके नागरिक समाज में वापस आता है तब उस**के पास सेना की कार्यकुशलता, निपुणता, अनुशासन, ट्रेनिंग और सुशासन की एक अत्यन्त सुदृढ़ भावना होती है,** हर संस्थान में पूर्व सैनिकों को सम्मान और महत्व दिया जाना चाहिए।

मैं भी एक फौजी ही हूँ और राज्यपाल के रूप में मैं एक सैनिक की तरह ही देश की सेवा करने का प्रयत्न करता हूँ।

उत्तराखंड की एक लंबी सीमा चीनी –तिब्बत से लगती है, चीन की तरफ से इस सीमा मे कई बार घुस पैठ हो चुकी है और हर बार चीनियों को धकेल भी दिया गया है।

उत्तराखंड मे भारत और अमेरिका का एक संयुक्त युद्ध अभियान भी अभी हाल में ही हुआ है, सैन्य और रणनीतिक दृष्टि से उत्तराखंड एक संवेदनशील राज्य है।

प्राकृतिक आपदाओं की दृष्टि से भी हमारे पास अनेक चुनौतियां हैं, जोशीमठ की आपदा का प्रबंधन करते हुए अब हम धीरे धीरे उभर रहे हैं।

उत्तराखण्ड की हर एक समस्या के समाधान के लिए सैनिकों का बड़ा योगदान रहता है।

प्राकृतिक आपदा हो या कोई और चुनौतीपूर्ण काम, **भारत की सेना सदैव हर वक्त मदद के लिए तैयार रहती है।**

मेरा मन तो यहाँ पूरा दिन बिताने का था परंतु मेरी जिम्मेदारियाँ मुझे इसकी इजाजत नहीं देती, परिवार के बीच रहना मेरे लिए सौभग्य की बात है।

मैं आप सभी से यह साझा करना चाहता हूँ कि **सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवार जनों की समस्याओं का समाधान मेरी प्राथमिकता में है।**

उत्तराखण्ड सरकार नें शहीदों की **वीर नारियों** या **आश्रितों** को **सरकारी नौकरी** देने का प्रावधान किया है। सैनिकों और भूतपूर्व **सैनिकों के बच्चों के लिये निःशुल्क छात्रावास** की व्यवस्था की गई है।

राज्य में **सैनिकों की सहायता के लिए** हर एक जिले में **एक नोडल ऑफिसर** का प्रावधान किया गया **है।**

'उपनल' संस्था के माध्यम से भूतपूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के लिये **रोजगार की व्यवस्था बनायी गयी है।**

मुझे आशा है कि ये सुबिधाएं सभी पात्र लोगों को प्राप्त हो रही होंगीं, **यदि कोई ऐसी समस्या हो तो आप सीधे मुझ से सम्पर्क कर सकते हैं।**

इसके लिए **मैने राजभवन में भी** सैनिकों की समस्याओं के समाधान के लिए **एक प्रकोष्ठ बनाया है,** ताकि हमारे सैनिकों के परिवार जनों को, पूर्व सैनिकों को यदि किसी **समस्या का** सामना करना पड़ रहा हो तो उसका **समाधान प्राथमिकता के साथ किया जा सके।**

राष्ट्रीय सैनिक संस्था का यह **16वां** अधिवेशन देवभूमि उत्तराखण्ड में आयोजित होना व्यक्तिगत रूप से मेरे लिए भी बड़ी खुशी की बात है।

मैं इस 16वें राष्ट्रीय अधिवेशन में मेजर जनरल एम. एल. असवाल, कर्नल एम. के. शर्मा, वेटरन बी. पी. शर्मा, श्रीमति सीमा त्यागी और श्वेता तलवार और इस आयोजन में सहयोगी सभी महानुभावों को विशेष रूप से **धन्यवाद देता हूँ।**

आप इस सम्मेलन के लिए राजभवन के सम्पर्क में रहे और मुझे यहां आने के लिए अपने परिवार के सदस्यों से मिलने का यह अवसर प्राप्त हुआ है।

एक बार फिर से मैं **अधिवेशन की सफलता के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ,** साथ ही यहां पधारे **सभी महानुभावों को हार्दिक धन्यवाद भी ज्ञापित करता हूँ।**

जय हिन्द